मॉडल सेट-04

समय 3 घंटा 15 मिनट **पूर्णांक-100**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः-

(क) परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

(ख) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ग) उत्तर देते समय शब्द-सीमा का ध्यान रखें।

(घ) दाहिनी ओर अंक निर्दिष्ट किये गये हैं।

(च) प्रश्न-पत्र को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जा रहा है।

प्रश्न 1. (अ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2=12

साहित्य पढ़कर मानव-समाज अपने चेहरे पर लगे धब्बों का परिष्कार कर सकता है। अपनी दुर्बलता को तो दूर कर ही सकता है, साथ-ही-साथ उस साहित्य को अपने लिए उपयोगी एवं सबल भी बना सकता है। एक के अभाव में दूसरे का अस्तित्व कतई नहीं बना रह सकता है। दोनों एक-दूसरे के उत्प्रेरक हैं। दोनों को एक-दूसरे के दर्पण में देखकर सजना-सजाना है तभी दोनो का अस्तित्व सार्थक रूप में बना रहकर समाज के लिए हितकारी सिद्ध हो सकता है। आधुनिक युग का साहित्य भी वर्तमान समाज की दशा सुधारने में सक्षम है। वर्तमान युग में अधिकांश व्यक्ति विभिन्न प्रकार की कुंठाओं की दीवार में बंदी है। राजनीति का स्वरूप अत्यंत भ्रष्ट हो गया है। जन-समाज में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। समाज में अनैतिकता बढ़ती जा रही है। आधुनिक समाज में इन सभी स्थितियों का वर्णन मिलता है। साहित्य और समाज का अटूट सबंध है। साहित्य का लक्ष्य मानव-कल्याण है और मानव समाज की इकाई है।

(क) मानव समाज अपने चेहरे पर लगे धब्बों का परिष्कार कैसे कर सकता है?

(ख) साहित्य पढ़ने का क्या लाभ है?

(ग) साहित्य समाज के लिए हितकारी कब और कैसे होगा?

(घ) आज की राजनीति का स्वरूप कैसा है?

(च) साहित्य का लक्ष्य क्या है?

(छ) एक उपयुक्त शीषक दें।

ब. निम्नांकित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दें। 4x2=8

भिखारी की भाँति गिड़गिडाना प्रेम की भाषा नहीं है। यहाँ तक कि मुक्ति के लिए भगवान की उपासना करना भी अधम उपासना में गिना जाता है। प्रेम कोई पुरस्कार नहीं चाहता। प्रेम सर्वथा प्रेम के लिए ही होता है। भक्त इसलिए प्रेम करता है कि बिना प्रम किए वह रह ही नहीं सकता है। जब तुम किसी मनोहर प्राकृतिक दृश्य को देखकर उस पर मोहित हो जाते हो तो तुम किसी फल की याचना नहीं करते और न वह दृश्य ही तुमसे कुछ माँगता है। फिर भी उस दृश्य का दर्शन तुम्हारे मन को आनंद से भर देता है।

(क) प्रेम का क्या उद्देश्य होता है?

(ख) कैसी उपासना अधम मानी गई है?

(ग) भक्त की क्या विवशता है?

(घ) प्राकृतिक दृश्य का आनंद प्राप्त करने में और द्रष्टा दोनों की क्या भूमिका होती है?

प्रश्न-2दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 10

(अ) जीवन में कम्प्यूटर की उपयोगिता

(क) भूमिका-कम्प्यूटर का परिचय

(ख) कम्प्यूटर का कार्य और उसकी उपयोगिता

(ग) कार्यालय कायां में सहायक

(घ) उपसंहार

(ब) मँहगाई

(क) भूमिका-मँहगाई का स्वरूप

(ख) कारण

(ग) निवारण

(घ) उपसंहार

(स) दहेज-प्रथा

(क)भूमिका- दहेज का परिचय

(ख) कारण

(ग) निवारण

(घ) उपसंहार

प्रश्न-3 अपने प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन-पत्र लिखें जिसमें दो दिनों के लिए छुट्टी की माँग की गई हो। **5**

अथवा

अपनी रचना के प्रकाशनार्थ सम्पादक के नाम पत्र लिखिए।

प्रश्न-4 पदबंध किसे कहते हैं? उनके भेदों को सोदाहरण लिखें। **5**

अथवा

समास किसे कहते ह? उसके भेदों को सोदाहरण लिखें।

प्रश्न-5रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। **5x1= 5**

(1) कमर कसना का अर्थ.....है।

(2) उपकार का विपरीतार्थक शब्द.....है।

(3) व्याकरण का संधि-विच्छेद.....है।

(4) मेला.....संज्ञा है।

(5) 'ग' का उच्चारण-स्थान .....है।

प्रश्न-6 निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करें: **5x1= 5**

(1) मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।

(2) तलवार बहादुर लोगों का अस्त्र है।

(3) छात्रों ने शिक्षामंत्री को अभिनंदन-पत्र प्रदान किया।

(4) मैं गाने की कसरत कर रहा हूँ।

(5) हमारे शिक्षक प्रश्न पूछते हैं।

प्रश्न-7स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान आमने-सामने करें। **6x1= 6**

	स्तम्भ-अ		**स्तम्भ ब**
1.	प्रेमधन	क.	अक्षर-ज्ञान
2.	दिनकर	ख.	स्वदेशी
3.	अनामिका	ग.	जनतंत्र का जन्म

4.	नलिन विलोचन शर्मा	घ.	बहादुर
5.	गुणाकर मूले	च.	नागरी लिपि
6.	अमरकांत	छ.	विष के दाँत

निर्देश- प्रश्न संख्या 8 से 20 तक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों में दं।

प्रश्न-8 जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत क्या है? 3

प्रश्न-9 लेखक ने किन विशेष क्षेत्रों में अभिरुचि रखने वाले के लिए भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक बताया है? 3

प्रश्न-10 'स्वाधीनता' शब्द की सार्थकता लेखक क्या बताता है? 3

प्रश्न-11 'ला शत्रूज' क्या है और वह कहां अवस्थित है? आजकल उसका क्यों उपयोग होता है? 3

प्रश्न-12 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर दें:-
भग्गू जैसे ही बाहर जा रहा था तो पिताजी ने दहाड़कर कहा "भग्गू! अगर नरेन घर में घुसे तो साले के हाथ-पैर तोड़ कर बाहर फेंक देना। बाद में जा होगा मैं भुगत लूँगा।"

(क) यह गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है? 1
(ख) इस पाठ के लेखक कौन ह? 1
(ग) गद्यांश का भाव स्पष्ट करें। 3

प्रश्न-13 कवि की दृष्टि में बह्म का निवास कहाँ है? 3

प्रश्न-14 'एक वृक्ष की हत्या' कविता का वर्ण्य-विषय क्या है? 3

प्रश्न-15 हिरोशिमा में मनुष्य साखी के रूप में क्या है? 3

प्रश्न-16 कवि ने माली और मालिन किन्हें और क्यों कहा है? 3

प्रश्न-17 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए पश्नों के उत्तर दें।

आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख,
मंदिरों में, राजप्रसादों में तहखानों में?
देवता कहीं सड़कों पर मिट्टी तोड रहें,
देवता मिलेंगे खेतों में खलिहानों में

(1) इस पाठ के रचनाकार कौन हैं? 1

(2) यह पद्यांश किस पाठ से लिया गया है। 1

(3) इस पद्यांश का भाव स्पष्ट करें। 3

प्रश्न-18 सीता को कब लगा कि आकाश अनन्त है, धरती बड़ी, रास्ता चौड़ा और चारों ओर खुली हवा है? 3

प्रश्न-19 वल्लि अम्माल मुदरै के बड़े अस्पताल क्यों गई थी? 3

प्रश्न-20 गुणनिधि का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 4

उत्तर मॉडल सेट-04

उत्तर-1 (अ)

क. साहित्य पढ़कर मानव-समाज अपने चेहरे पर लगे धब्बों का परिष्कार कर सकता है।

ख. साहित्य पढ़कर अपनी दुर्बलताओं को दूर कर सकता है। अपने को उपयोगी एवं सबल भी बना सकता है।

ग. साहित्य और समाज दोनों एक-दूसरे के उत्प्रेरक हैं। दोनों का अस्तित्व सार्थक रूप में बना रहकर मानव- समाज के लिए हितकारी सिद्ध हो सकता है।

घ. आज की राजनीति का स्वरूप अत्यंत भ्रष्ट है।

च. साहित्य का लक्ष्य मानव-कल्याण है।

छ. साहित्य और समाज

उत्तर-1 (ब)

क. मन की सच्चाई को व्यक्त करना प्रेम का उद्देश्य है।

ख. भक्ति के बदले भगवान से मुक्ति माँगना अधम प्रेम है।

ग. भगवान के प्रति प्रेम भक्त की विवशता है।

घ. प्राकृतिक दृश्य का आनंद प्राप्त करने के लिए दृश्य और द्रष्टा दोनों को नि:स्वार्थ रहना पड़ेगा।

उत्तर-2 (अ) जीवन में कम्प्यूटर की उपयोगिता

भूमिका-वर्त्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारतवर्ष पर नजर दौड़ाकर देखें तो हम पाएँगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों मं कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाई अड्डे, डाकखाने रुपये गिनने की मशीन तक कम्प्यूटरकत हो गई हैं। अब भी यह कम्प्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर की उपयोगिता-विज्ञान और तकनीक की अद्‌भुत खोजों ने मनुष्य के जीवन मे एक क्रांति ला दी है। आज के युग को यदि हम कम्प्यूटर का युग कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी शिक्षा, मनोरंजन, चिकित्सा, यातायात, संचार आदि सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। हड़बड़ी में होने वालो मानवीय भूलों के लिए कम्प्यूटर रामबाण औषधि है। यातायात के क्षेत्र में भी कम्प्यूटर की विशेष

उपयोगिता है हवाई मार्गों का निर्धारण एवं नियंत्रण, महानगरों की रेड लाइट सिग्नल प्रणाली कम्प्यूटर की ही देन है।

कार्यालय म सहायक- कार्यालयों में कम्प्यूटर के माध्यम से कार्य करना अत्यंत सहज एवं सरल हो गया है। अब कार्यालय-संबंधी सभी महत्त्वपूण आँकड़ों एवं तथ्यों को फाइल में सुरक्षित रखा जाता है। संशोधन करने क लिए बार-बार टाइप नही करना पड़ता है जिससे समय की काफी बचत होती है। अनेक कार्य जिनमें कई व्यक्तियों की आवश्यकता होती थी अब वही कार्य एक कम्प्यूटर के माध्यम से बहुत कम समय में ही सम्पन्न हो जाता है।

उपसंहार- आधुनिक युग में कम्प्यूटर मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुडा हुआ है। विज्ञान के इस अद्‌भुत उपहार को नकारना संभव नहीं है। यह आज की आवश्यकता है।

उत्तर-2 (ब) महँगाई

भूमिका

खेती न किसान को,भिखारी को न भीख बलि
वणिक को वनिज, न चाकर को चाकरो
जीविका विहीन लोग सिघमान सोच बस
कहे सब एकन से कहाँ जाई का करी।

भारत में महँगाई की वर्तमान मार से त्रस्त लोग गोस्वामी तुलसीदास की कवितावली की उपर्युक्त पंक्तियों को चरितार्थ करते नजर आते हैं। महँगाई, माँग और पूर्ति के सिद्धांत पर आधारित होती है।

कारण- महँगाई अति वषा, अनावृष्टि या सुखाड़ जैसे कारणों से होती है। भारतीय कृषि आज भी प्राकृतिक वर्षा की मोहताज है। जब माँग बढ़ जाए और चीजें कम हो जाएँ तो वे चीजें महंगी हो जाती हैं। जमाखोरी और काला बाजारी महँगाई की जननी है। मँहगाई बढ़ान में सुखाड़ का भी योगदान है।

निवारण -महँगाई न होने देने के लिए सरकारों को स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। उत्पादन और वितरण की सही व्यवस्था करके महँगाई को आने से रोका जा सकता है। काला बाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए छापामारी करके जमाखारों और कालाबाजारियों को पकड़कर मुकदमा चलाकर दंडित करना चाहिए, तब कृत्रिम महँगाई को रोका जा सकेगा।

उपसंहार– महँगाई कृत्रिम हो या वास्तविक सरकार अपनी जिम्मेवारियों से बच नहीं सकती। यह पूरी तरह सरकार की जिम्मेदारी है कि लोगों को सुख–सुविधा मुहैया कराई जाए। इसके लिए कारगर नीतियाँ बनाने की जरूरत है। साथ ही बाढ, सुखाड और जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर भी कारगर अंकुश लगाकर महँगाई की मार से बचा जा सकता है।

उत्तर –2 (स) दहेज प्रथा

भूमिका:– दहेज भारतीय समाज के लिए अभिशाप है। यह कुप्रथा घ्न को तरह समाज को खोखला करती चली जा रही है। इसने नारी–जीवन तथा सामाजिक व्यवस्था को तहत–नहस करके रख दिया है। यह कुप्रथा है जिसने समाज को विकृत कर रखा है।

कारण:– दहेज रूपी समस्या आज आम आदमी की नींद खराब कर दी है। लोग अपनी बच्ची की शादी के लिए परेशान रहते हैं। आज इस समस्या का मूल कारण मानव–मन में छुपा हुआ लोभ है। ऐसे लोभी व्यक्ति, लड़की वालों से मोटी–मोटी रकमें माँगते हैं। कार, मोटरसाइकिल, टो.वी., फ्रोज, कंप्यूटर, लैप टॉप आदि के अलावा अन्य कीमती वस्तुएँ माँगी जाती हैं। आज इन वस्तुओं के नहीं दे पाने की वजह से कई शादियाँ टूट जाया करती हैं तथा बहुएँ प्रताड़ित भी होती हैं। दहेज प्रथा के दुष्परिणाम विभिन्न है। या तो कन्या के पिता को लाखों का दहेज देने के लिए घूस, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार,काला–बाजार आदि का सहारा लेना पड़ता है या उनकी कन्याएँ अयोग्य वरों के मत्थे मढ़ दी जाती ह।

निवारण– दहेज की समस्या का निवारण तभी हो सकता है जब हम कृत संकल्प हों कि हम दहेज के तौर पर अधिक सामान या रुपये की माँग नहीं करेंगे, हम वही वस्तुएँ लेंगे जो लड़कीवाले स्वेच्छा से दे सकेंगे। इसके लिए जन–जागृति की आवश्यकता है। जब तक युवक दहेज का बहिष्कार नहीं करेंगे तबतक यह कोढ़ चलता रहेगा।

उपसंहार– निष्कर्ष के तौर पर हम यही कह सकते ह कि दहेज–समस्या से मुक्ति के लिए सामाजिक स्तर पर 'अभियान' चलाया जाना चाहिए तथा दहेज लेने वालों पर कड़ी पाबंदी लगनी चाहिए। दहेज अपनी शक्ति के अनुसार दिया जाना चाहिए, धाक जमाने के लिए नहीं, दहेज प्रेम का उपहार है, जबरदस्ती खींच ली जाने वाली संपत्ति नहीं।

उत्तर- 3

सेवामें,

प्रधानाध्यापक

बी.पी. इंटर विद्यालय, बेगूसराय।

विषय :- दो दिनों की छुट्टी हेतु आवेदन।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मेरे पिताजी की तबीयत खराब है तथा उन्हें चिकित्सक के पास ले जाना हैं इस कार्य में दो दिन लग सकते ह।

अतः श्रीमान् से निवेदन है कि दिनांक 09-12-2016 से 10-12-2016 तक छुट्टी देने की कृपा करेंगे

आपका विश्वासी

निशांत कुमार

क्रमांक-05

वर्ग-दशम्

अनुभाग - ब

उत्तर- 3 अथवा

सेवामें

सम्पादक

दैनिक जागरण, पटना।

महाशय,

मैं आपकी सेवा में एक लेख आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशनार्थ भेज रही हूँ। यह लेख पर्यावरण से संबंधित है। इस अपने समाचार-पत्र में स्थान देकर कृतार्थ करेंगे।

धन्यवाद।

दिनांक- 09-12-2016

भवदीय

शिवानी

कृष्णा निकेतन

शिवपुरी, पटना।

उत्तर -4

वाक्य के उस भाग को जिसमें एक से अधिक पद परस्पर सम्बद्ध होकर अर्थ तो देते हैं किन्तु पूरा अर्थ नहीं देते हुए पदबंध या वाक्यांश कहते हं। जैसे-भारत के प्रधानमंत्री।

पदबंध के भेद-

1. संज्ञा पदबंध- मिट्टी का तेल
2. सर्वनाम पदबंध- सदा सत्य बोलने वाले।
3. विशेषण पदबंध- चाँद से भी प्यारा।
4. क्रिया पदबंध- जाता रहता था। कहा जा सकता है।
5. क्रियाविशेलषण पदबंध- आधी रात तक,वर्ष के अंत तक

उत्तर -4 अथवा

दो या दो से अधिक पदों को अपने विभक्ति चिह्नों को छोड़ कर एक पद हो जाना समास कहलाता है। जैसे नोलकंठ

समास के भेद

1.	अव्ययीभाव	-	यथाशक्ति
2.	तत्पुरुष	-	राजपुरुष
3.	कर्मधारय	-	नीलकमल
4.	द्विगु	-	त्रिफला
5.	नम्र	-	अनाथ
6.	द्वन्द्व	-	सीताराम
7.	बहुब्रीहि	-	पीताम्बर

उत्तर -5
(1) दृढ निश्चय करना।
(2) अपकार
(3) वि+आकरण
(4) समूहवाचक
(5) कंठ

उत्तर -6
(1) मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।
(2) तलवार बहादुर लोगों का शस्त्र है।

(3) छात्रों ने शिक्षामंत्री को अभिनंदन-पत्र अर्पित किया।

(4) मैं गाने का अभ्यास कर रहा हूं।

(5) हमारे शिक्षक प्रश्न करते हैं।

उत्तर-7

स्तम्भ-अ	**स्तम्भ ब**
1	ख
2	ग
3	क
4	छ
5	च
6	घ

उत्तर-8 सामाजिक स्तर के अनुसार गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर देना जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत है।

उत्तर-9 लेखक ने बताया है कि जिन्हें भू-विज्ञान में, वनस्पति जगत में, जीव के अध्ययन में, पुरातत्व के ज्ञान में एवं नीतिशास्त्र जैसे विषयों में विशेष अभिरुचि है, उन्हें भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक है।

उत्तर-10 लेखक कहते हैं कि स्वाधीनता शब्द का अर्थ है कि अपने ही अधीन रहना क्योंकि यहाँ के लोगों ने अपनी आजादी के जितने भो नामकरण किये स्वतंत्रता, स्वराज, स्वाधीनता उनमें स्वबंधन आवश्यक हैं।

उत्तर-11 'ला शत्रूज' कर्थूसियन सम्प्रदाय का एक इसाई मठ है। वह रोन नदी के दूसरो ओर वीलनत्वल आविन्यों अर्थात् आविन्यों नई बस्ती में अवस्थित है। इन दिनों यह रंगमंच और लेखन से जुड़ा है। रंगकर्मी, संगीतकार, अभिनेता, नाटककार आदि वहाँ ठहरकर अपने रचनात्मक कार्य करते हैं।

उत्तर-12 (क) मछली

(ख) विनोद कुमार शुक्ल

(ग) यहाँ भग्गू के द्वारा मछली लेकर बाहर जाने का वर्णन है, जिसे देखकर पिताजी ने नरेन पर क्रोध भरा स्वर प्रकट किया है क्योंकि मछली को देखकर सभी बच्चों के मन में कुतूहल का भाव भरा था तथा पिताजी की नजर सब पर थी।

उत्तर-13 जो प्राणी सांसारिक विषयों की आसक्ति से रहित है, जो मान-अपमान से परे है, हर्ष-शोक दोनों से जो दूर है उन प्राणियों में ही ब्रह्म का निवास बताया गया है। काम, लोभ, मोह जिसे नहीं छूते वैसे प्राणियों में निश्चित ही ब्रह्म का निवास है।

उत्तर-14 'एक वृक्ष की हत्या' का वर्ण्य विषय है नाना प्रकार के प्रदूषण और छीजते मानव- मूल्य।

उत्तर-15 आज भी हिरोशिमा में साखी के रूप में अर्थात प्रमाण के रूप में जहाँ-तहाँ जले हुए पत्थर तथा दीवारें पड़ी हुई ह। यहाँ तक कि पत्थरों पर, टूटी-फूटी सड़कों पर, घर की दीवारों पर लाश के निशान छाया के रूप में साक्षी है। यही साक्षी से पता चलता है कि अतीत में यहाँ अमानवीय दुर्दान्दता का नंगा नाच हुआ था।

उत्तर-16 कवि ने माली 'श्रीकृष्ण' को तथा मालिन 'श्री राधिकाजी' को कहा है चूँकि दोनों ही प्रेम रूपी फुलवारी के नायक-नायिका हैं। कवि ने यहाँ प्रेमरूपी फुलवारी के 'माली' और 'मालिन' बताकर प्रेम के उदात्त स्वरूप पर प्रकाश डाला है।

उत्तर-17 (1) रामधारी सिंह दिनकर

(2) जनतंत्र का जन्म

(3) इन पंक्तियों में कवि ने मजदूरों एवं किसानों को महिमा-मंडित किया है। भारत में भगवान तथा राजा तो किसान और मजदूर ह जो मंदिरों और महलों में नहीं रहते बल्कि वे अपने देश की उन्नति के लिए तत्पर रहते ह। वे चिलचिलाती धूप में भी सड़कों पर गिट्टी ताड़ते हुए मिलते हैं या फिर खेत-खलिहानों में निरंतर मेहनत करते हुए देखे जाते हैं।

उत्तर-18 सीता ने बेटी-बहुओं की अपेक्षाओं से त्रस्त होकर जब अपने पैरों पर खड़े होने के लिए घर छोड़ा तो उसे लगा कि आकाश अनंत, धरती बड़ी, रास्ता चौड़ा आर उसके चारों और खुली हवा है।

उत्तर-19 बल्लि अम्माल अपनी बेटी पाप्पति को दिखाने मदुरै के बड़े अस्पताल में गई थी। गाँव के डॉक्टर ने उससे यही कहा था। प्राइमरी सेन्टर के डॉक्टर के कहने पर अगली सुबह वह मदुरै के बड़े अस्पताल में जाती है।

उत्तर-20 गुणनिधि गाँव का नौजवान है। कटक में पढ़ता है। वह साहसी है, उसे अपने सामाजिक दायित्व का बोध है और वह नेतृत्वगुण सम्पन्न है। जब वह गाँव आता है, बाढ का खतरा देखता है तो स्वयंसेवक दल का गठन करता है। स्वयं सदा उनके साथ रहकर उनका उत्साह बढ़ाता है-'निठल्लों के लिए जगह भी नहीं है दुनिया में'। खुद पैंट-शर्ट उतार कर, कमर कसरकर काम पर जुटा रहता है रात-दिन।